श्रीराम हरे श्रीराम हरे

श्रीराम हरे श्रीराम हरे, श्रीराम हरे श्रीराम हरे
श्यामल सुंदर सुखधाम हरे, श्रीराम हरे श्रीराम हरे
प्रभु नीलोत्पल हैं कमलनयन भक्तन मन मंदिर धाम हरे श्रीराम हरे
नियलयकांति है छँटा प्रभु की, मोहित नयनाभीराम हरे श्रीराम हरे
जन्म लिया जब अवधपुरी कहलाती पूजित धाम हरे श्रीराम हरे

दक्षिण लक्ष्मणजी शोभित हैं माँ सिया बिराजें वाम हरे, श्रीराम हरे
कोई कृष्ण कहे और केशव भी हरि के हैं हज़ारों नाम हरे
श्रीराम हरे

राम नाम का सुमरिन कर कहलाए हनुमान हरे श्रीराम हरे

प्रभु शंकर संग माँ शैल सुता गाते जय जय श्रीराम हरे श्रीराम हरे

प्रभु संग भक्तों को प्रवीण का हो स्वीकृत प्रणाम हरे श्रीराम हरे

अनंतकोटी हैं कथा तुम्हारी, भक्तन लो अब विश्राम हरे श्रीराम हरे

-प्रवीणराय
Charlotte, NC, USA
+1 980 265 3629

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15310/title/shri-ram-hare-shri-ram

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |